माननीय राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का जीवाजी विश्वविद्यालय में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन एवं परीक्षा भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में उद्बोधन

स्थान:- ग्वालियर, दिनांक :- 12 जुलाई, 2103 समय :- 3:30 बजे

जीवाजी विश्वविद्यालय में नवनिर्मित प्रशासनिक भवन एवं विशाल परीक्षा भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा 45 वर्षों में अर्जित की गई विकास और प्रतिष्ठा की जानकारी से मुझे, अत्यन्त प्रसन्नता हुई है। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए, किये जा रहे प्रयास सराहनीय हैं। इसके लिये विश्वविद्यालय परिवार साधुवाद का पात्र है।

विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार में कई प्रयास किये गये हैं और ये भविष्य में भी जारी रहने चाहिए। इसी प्रयास की कड़ी में विशाल भवनों का निर्माण कर सशक्त अधोसंरचना के सृजन में सफलता अर्जित की गई है। छात्र-छात्राओं को विश्वविद्यालय में अच्छा वातावरण और आधुनिक तथा उच्च स्तर की सुविधायें उपलब्ध कराकर ही उन्हें विद्या-अध्ययन में सहयोग देना विश्वविद्यालयों का पहला कर्तव्य है।

जीवाजी विश्वविद्यालय ने उच्च श्रेणी के मानव संसाधन प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी आज भारत तथा विदेशों के शासकीय, औद्योगिक एवं शैक्षणिक संस्थानों में विभिन्न पदों पर कार्य कर रहे हैं। आपके परिश्रम, उच्च गुणवत्ता के लिये निष्ठा, शिक्षकों का समर्पण एवं प्रबन्धन की दूरदर्शिता से यह उपलब्धि प्राप्त हुई है।

जीवाजी विश्वविद्यालय के अधिसंख्य भूतपूर्व विद्यार्थी आज उद्यमी बन गये हैं और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजित कर रहे हैं। भारत सरकार ने इस विश्वविद्यालय की पहचान देश के

प्रमुख संस्थानों में से एक ख्याति प्राप्त संस्थान के रूप में की है। मैं इस के लिए उन लोगों को बधाई देता हूं, जिन्होंने इस संस्थान में शिक्षा की एक मजबूत नींव डालने के लिये कठिन संघर्ष किया।

आज, इस अवसर पर मैं, शिक्षकों से कहना चाहूंगा कि देश एवं समाज की सेवा भावना से ओतप्रोत, सुसंस्कृत और चरित्रवान पीढ़ी का निर्माण करें। विश्वविद्यालय, समय की मांग के अनुरूप विषय- विशेषज्ञों का निर्माण करने पर ध्यान केंद्रित करें। ऐसा करने से हमारे विद्यार्थी, देश के प्रति निष्ठा के भाव से अनुप्राणित होंगे और देश, विकास के पथ पर सदैव अग्रसर रहेंगे।

मैं विद्यार्थियों से भी कहना चाहूंगा कि शिक्षा ग्रहण करते समय, अपने मन-मस्तिष्क में मानव कल्याण और देश सेवा की भावना को सर्वोपरि स्थान दें। शिक्षा द्वारा अर्जित ज्ञान से समाज और देश को, अधिक से अधिक लाभान्वित करने का प्रयास करें।

परीक्षा भवन का निर्माण मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक अनूठी उपलब्धि होगी। इसके निर्माण से छात्र-छात्राओं को पूरी तरह से एकाग्रता के साथ एक शांत वातावरण में परीक्षा देने में सुविधा होगी। इसमें लगभग तीन हजार विद्यार्थी एक साथ बैठकर परीक्षा दे सकेंगे।

इसके साथ ही नवनिर्मित प्रशासनिक भवन विश्वविद्यालय की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सहायक कदम सिद्ध होगा। लगभग 50 वर्ष पुराने प्रशासनिक भवन में कार्य किया जा रहा था जो जगह तथा अन्य सुविधाओं की दृष्टि से असुविधाजनक था। नवनिर्मित प्रशासनिक भवन से कार्य करने में सुविधा होगी और समय की बचत हो सकेगी।

प्रसन्नता का विषय है कि जीवाजी विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त कर रहा है और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की संगठन संस्था द्वारा इस विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का आकलन कर इसे चार सितारा श्रेणी प्रदान की है। यह उपलब्धि निश्चित तौर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और कर्मचारियों खासतौर पर विद्यार्थियों की मेहनत का परिणाम है।

इन सब उल्लेखनीय उपलब्धियों के बीच आज के आयोजन का यह अवसर हमें आत्म परीक्षण का भी मौका देता है कि हम सोचें कि हमारी इन सब उपलब्धियों का लाभ दूर दराज के ऐसे विद्यार्थियों को कैसे प्राप्त हो, जो आर्थिक दृष्टि से सक्षम नहीं हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि

अखिल भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उन मेघावी छात्रों को अपनी प्रतिभा में प्रदर्शन का अवसर कैसे मिले जो आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े हैं। ऐसे लोग सही मायने में लाभांवित होंगे तो ही हम अपनी इन उपलब्धियों पर संतोष का अनुभव कर सकेंगे। जीवाजी विश्वविद्यालय परिवार राष्ट्र के लिये उच्च गुणवत्ता युक्त मानव संसाधन विकसित करने में आगे भी इसी तरह सफल हो, यह मेरी हार्दिक इच्छा है। आप सभी को पुन: बधाई एवं शुभकामनाएं।

जय हिन्द